ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८६
दिनांक- मंगलवार, २३ नवम्बर, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.6 एवं 14.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 57 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.8 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 18.3 एवं दोपहर में 27.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(24–28 नवम्बर, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 24–28 नवम्बर, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम क शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 13 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- औसतन 4 से 7 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से समस्तीपुर, वैशाली, सारण तथा सिवान में पछिया हवा तथा अन्य जिलों में पूरवा हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- रबी मक्का की बुआई इस माह के अन्त तक समाप्त करें। इसके लिए संकर किस्में शक्तिमान १ सफेद, शक्तिमान २ सफेद, शक्तिमान-३ पीला, शक्तिमान ४ पीला, शक्तिमान-५ पीला, गंगा ११ नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का १, राजेन्द्र संकर मक्का २ एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में- देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में १००-१५० क्विंटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ७५ किलोग्राम फास्फोरस एवं ५० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ६० ग २० से०मी० रखें।
- गेहूँ की बुआई के लिए तापमान तथा अन्य मौसमीय परिस्थितियाँ अनुकूल अनुकूल हो गयी है। किसान भाई प्राथमिकता देकर गेहूँ की बुआई करें। खेत की तैयारी के समय १५०-२०० क्विटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम फॉसफोरस एवं ४० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। सिंचित एवं सामान्य समय पर गेहूँ की बुआई हेतु पी०बी०डब्लू०-३४३, पी०बी०डब्लू०-४४३, सी०बी०डब्लू०-३८, डी०बी०डब्लू०-३९, एच०डी०-२७३३, एच०डी०-२९६७, एच०डी०-२८२४, के०-९१०७, के०-३०७, एच०यू०डब्लू०- २०६ एवं एच०यू०डब्लू०-४६८ किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। बीज को बुबाई से पहले बेबीस्टीन २.५ ग्राम की दर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। दीमक से बचाव के लिए क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से अवश्य उपचारित करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १२५ किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १०० किलोग्राम बीज का व्यवहार करें।
- गेहूँ की जिन खेतों में दीमक का अधिक प्रकोप रहता हो, वैसे किसान दीमक से बचाव के लिए क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ लीटर मात्रा बालू में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।
- चना की बुआई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। खेत की तैयारी के समय २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा-२५६, के०पी०जी०-५६(उदय), के०डब्लू०आर० १०८, पंत जी १८६ एवं पूसा ३७२ अनुशंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन २.५ ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। २४ घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः ४ से ५ घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पाँच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दानों की किस्मों के लिए बीज दर ७५ से ८० किलोग्रम एवं बड़े दानों के लिए १०० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ३० ग १० से०मी० रखें।
- आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू- १, राजेन्द्र आलू- २ तथा राजेन्द्र आलू-३ इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज दर २०-२५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दुरी ५०-६० से०मी० एवं बीज से बीज की दुरी १५-२० से०मी० रखें। आलू को काट कर लगाने पर २ से ३ स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर २४ घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के ०.५ प्रतिशत घोल या डाइथेन एम० ४५ के ०.२ प्रतिशत घोल में १० मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (२०-४० ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट २००-२५० क्विटल, ७५ किलोग्रम नेत्रजन, ६० किलोग्रम फास्फोरस एवं १०० किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- विगत माह बोयी गई मटर, राजमा, लहसून एवं सब्जियों वाली फसलें- बैगन, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी एवं फूलगोभी में निकाई गुराई तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों में कीट-व्याधी की निगरानी करें। अक्टुबर माह में बोयी गयी लहसुन की फसल से खर-पतवार निकल दें। फसल में कीट की निगरानी करें।
- चारे के लिए जई तथा बरसीम की बुआई करें। जई के लिए ८०-१०० किलो ग्राम बीज तथा बरसीम के लिए २५-३० किलो ग्राम बीज प्रति हेकटेयर का व्यवहार करें।

आज का अधिकतम तापमानः 27.7 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 12.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी